

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 19, 1971/फाल्गुन 28, 1892

No. 46]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 19, 1971/PHALGUNA 28, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND  
CO-OPERATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March 1971

G.S.R.396.—In exercise of the powers conferred by section 44 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Food Corporations Rules, 1965, namely:—

1. These rules may be called the Food Corporations (Amendment) Rules, 1971.
2. In rule 3 of the Food Corporations Rules, 1965, for sub-rules (1), (2) and (3), the following sub-rules shall be substituted, namely:—

“(1) The term of office of the Chairman shall be three years from the date of his assumption of office as Chairman.

(2) The term of office of the Managing Director shall be five years from the date of his assumption of office as Managing Director.

(3) The term of office of a Director appointed under clause (e) of sub-section (1) of section 7 of the Act shall be two years from the date of his assumption of office as Director and he shall hold office during the pleasure of the Central Government:

Provided that every person holding office as Chairman, Managing Director or Director immediately before the commencement of the Food Corporations (Amendment) Rules, 1971, shall continue to hold his office by the same tenure as he held such office immediately before such commencement."

[No. F. 4-9/69-FCC.]

R. BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

खाद्य, कृषि, सामयिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

प्रवित्तुचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1971

सा० का० नि० 396.—खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 44 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा खाद्य निगम नियम, 1965 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1—ये नियम खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

2—खाद्य निगम नियम, 1965 के नियम 3 में उपनियम (1), (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

- “(1) अध्यक्ष की पदावधि उसके अध्यक्ष के रूप में पद ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष होगी।
- (2) प्रबन्ध निदेशक की पदावधि उसके प्रबन्ध निदेशक के रूप में पद ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष होगी।
- (3) अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ऊ) के अधीन नियुक्त निदेशक की पदावधि उस के निदेशक के रूप में पद ग्रहण करने की तारीख से दो वर्ष होगी और वह केन्द्रीय सरकार के प्रसाद पर्यन्त पद धारण करेगा :

परन्तु खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1971 के प्रारंभ होने से अव्यवहित पूर्व, अध्यक्ष, प्रबन्धनिदेशक या निदेशक के रूप में पद धारण करने वाला हर एक व्यक्ति पद को उसी कार्य-काल के लिए धारण करता रहेगा जिसके लिए वह ऐसे प्रारंभ होने से अव्यवहित पूर्व ऐसे पद को धारण करता था।”

[सं० फा० 4-9/69-एफ सी सी]

आर० बालासुब्रमण्यन, संयुक्त सचिव।